



कार्यालय सचिवालय

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

International Council of Religions

वेबसाइट: www.icr-int.org

Ref No.: - ICR/2025/68280

Dated: - 03/09/2025

अधिसूचना

विषय: विद्यालयी (School) एवं विश्वविद्यालयी (Higher Education) स्तर हेतु 'नैतिक, सार्वभौमिक एवं सर्वधर्म मूल्य शिक्षा' (Universal Ethical & Interfaith Value Education - UEIVE) मानक मॉडल पाठ्यक्रम का आधिकारिक विमोचन, अनुमोदन तथा क्रियान्वयन विधिक दिशा-निर्देश।

अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद के संविधान के अनुच्छेद 16 (शिक्षा, सांस्कृतिक विकास एवं नैतिक उन्नयन) तथा शासी निकाय (Governing Council) एवं केंद्रीय शैक्षणिक अनुसंधान बोर्ड (Central Academic Board) के संयुक्त संकल्प संख्या EB-12/2025 के अनुसरण में, यूनेस्को के 'शांति एवं वैश्विक नागरिकता शिक्षा' (GCED) सिद्धांतों के समनुरूप, **विद्यालयी व उच्च शिक्षण संस्थानों हेतु तैयार 'नैतिक एवं सर्वधर्म मूल्य शिक्षा मॉडल पाठ्यक्रम 2025-26'** को एतद्वारा विधिक रूप से विमोचित, स्वीकृत एवं अधिसूचित किया जाता है।

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं शैक्षणिक प्रयोजन

1.1 यह अधिसूचना 'अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म नैतिक एवं मूल्य शिक्षा मॉडल पाठ्यक्रम अधिसूचना, 2025' कहलाएगी।

1.2 यह पाठ्यक्रम मॉडल परिषद से संबद्ध समस्त शिक्षण संस्थानों, शोध केंद्रों, सह-भागी विद्यालयों एवं स्वायत्त विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से वैकल्पिक/अनिवार्य मूल्य संवर्धन मॉड्यूल के रूप में लागू होगा।

1.3 इस मॉडल पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक संचेतना, सांप्रदायिक सद्भाव, सहानुभूति, आलोचनात्मक सोच एवं वैश्विक बंधुत्व के मूल्यों का बीजारोपण करना है।

2. त्रि-स्तरीय पाठ्यक्रम संरचना एवं शैक्षणिक स्तर

विद्यार्थियों के आयु-वर्ग एवं मानसिक विकास के आधार पर पाठ्यक्रम को तीन शैक्षणिक स्तरों में विभाजित किया गया है:

शैक्षणिक स्तर	लक्षित कक्षाएं / आयु वर्ग	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रमुख शैक्षणिक घटक / विषयवस्तु	क्रेडिट / घंटे
प्राथमिक व माध्यमिक स्तर	कक्षा 6 से 10 (आयु: 11-15 वर्ष)	मूल्यबोध एवं साझा संस्कृति	• सर्वधर्म प्रेरक कथाएं व महापुरुष • दया, सत्य, अहिंसा व पर्यावरण चेतना	30 घंटे (गैर-मूल्यांकन योग्य)

उच्चतर माध्यमिक स्तर	कक्षा 11 व 12 (आयु: 16-18 वर्ष)	तुलनात्मक धर्म-दर्शन व नागरिक नीतिशास्त्र	<ul style="list-style-type: none"> विश्व धर्मों के साझा नैतिक सिद्धांत घृणा-भाषण व पूर्वाग्रह मुक्ति कार्यशालाएं 	2 क्रेडिट (45 घंटे)
उच्च शिक्षा व विश्वविद्यालय	स्नातक / परास्नातक (UG/PG)	वैश्विक शांति, अंतर-धार्मिक संवाद व कूटनीति	<ul style="list-style-type: none"> धर्म, मानवाधिकार व संघर्ष समाधान सतत विकास (SDGs) एवं आध्यात्मिक नैतिकता 	4 क्रेडिट (60 घंटे / ऐच्छिक)

3. पाठ्यक्रम के पांच मुख्य वैचारिक आधार-स्तंभ

मॉडल पाठ्यक्रम निम्नलिखित पांच प्रमुख वैचारिक आधारों पर संकलित किया गया है:

क्र.	आधार-स्तंभ	दार्शनिक संकल्पना एवं शैक्षणिक अधिगम परिणाम
1	सार्वभौमिक मानवीय मूल्य (Universal Human Values)	सत्य, करुणा, न्याय, क्षमा, ईमानदारी एवं मानवीय गरिमा की सार्वभौमिक स्वीकार्यता का विकास।
2	तुलनात्मक धर्म एवं पारस्परिक सम्मान	विभिन्न धर्मों के रीति-रिवाजों, उत्सवों व दर्शन की निष्पक्ष समझ तथा पूर्वाग्रहों का वैज्ञानिक निवारण।
3	शांति शिक्षा एवं संघर्ष मध्यस्थता (Peace Education)	संवाद, सक्रिय श्रवण (Active Listening), अहिंसक संचार एवं सह-अस्तित्व के व्यावहारिक कौशल।
4	डिजिटल नैतिकता एवं सद्भाव (Digital Ethics)	सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं, घृणा-सामग्री की पहचान एवं डिजिटल मंचों पर संयमित आचरण।
5	पर्यावरणीय नैतिकता व सेवा (Eco-Ethics & Seva)	'वसुधैव कुटुम्बकम्' एवं प्रकृति संरक्षण हेतु सामुदायिक श्रमदान व सेवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी।

4. शिक्षण विधि, व्यावहारिक कार्यशालाएं एवं पेडागॉजी

4.1 अनुभवात्मक शिक्षण (Experiential Learning): केवल सैद्धांतिक व्याख्यान के स्थान पर रोल-प्ले, केस स्टडीज, सर्वधर्म प्रार्थना सभाएं एवं सामुदायिक सेवा शिविर अनिवार्य होंगे।

4.2 ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण: विद्यार्थियों को मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च, स्तूप व अन्य धरोहरों का समन्वित अध्ययन भ्रमण कराया जाएगा।

4.3 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (Teacher Training - TOT): प्रत्येक संबद्ध संस्थान के न्यूनतम दो शिक्षकों को 'मास्टर ट्रेनर' के रूप में केंद्रीय शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा प्रमाणित किया जाएगा।

5. केंद्रीय शैक्षणिक संवीक्षा एवं प्रमाणन बोर्ड

पाठ्यक्रम के मानक संवर्धन, पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा एवं मूल्यांकन हेतु निम्नलिखित विशेषज्ञ समिति का विधिक गठन किया जाता है:

क्र.	समिति में पदनाम	नामित शिक्षाविद / विशेषज्ञ	संस्थागत पृष्ठभूमि
1	अध्यक्ष - शैक्षणिक बोर्ड	प्रो. (डॉ.) मीनाक्षी सुंदरम	पूर्व निदेशक, एनसीईआरटी / वरिष्ठ शिक्षाविद
2	संयोजक - मूल्य शिक्षा संभाग	डॉ. फ्रैंकलिन रिचर्डसन	डीन, तुलनात्मक धर्मशास्त्र संकाय
3	विशेषज्ञ सदस्य (सनातन व जैन दर्शन)	आचार्य विद्यानंद शास्त्री	अध्यक्ष, भारतीय दर्शन परिषद
4	विशेषज्ञ सदस्य (इस्लामी व सूफी दर्शन)	प्रो. अख्तरुल वसीम	विभागाध्यक्ष, इस्लामिक स्टडीज
5	विशेषज्ञ सदस्य (ईसाई व बौद्ध दर्शन)	सिस्टर मैरी जोसेफ / भिक्षु शीलरत्न	निदेशक, अंतरराष्ट्रीय शांति शिक्षा केंद्र

6. डिजिटल पाठ्य-सामग्री उपलब्धता एवं विधिक अधिकार

6.1 यह संपूर्ण पाठ्यक्रम मॉडल, शिक्षक संदर्शिका (Teacher's Guide), एवं डिजिटल ऑडियो-विजुअल मॉड्यूल परिषद के राष्ट्रीय शिक्षा पोर्टल (www.interfaithcouncil.org/education) पर निःशुल्क (Open Access) उपलब्ध रहेगा।

6.2 किसी भी शैक्षणिक बोर्ड, राज्य शिक्षा परिषद अथवा स्वायत्त विश्वविद्यालय द्वारा इस पाठ्यक्रम को बिना किसी रॉयल्टी शुल्क के अंगीकार या अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार रूपांतरित करने का विधिक अधिकार प्राप्त होगा।

भवदीय,



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद

दिनांक: 03/09/2025



अधिकृत प्रतिनिधि/विधि प्रकोष्ठ
अंतरराष्ट्रीय सर्वधर्म परिषद